

(कावली) पेचा अर्थात् इययपस हाजिर / वदम
 अधिकारी इययपस लुनी गई / वदम मुराबित
 अधिकारी, एकाद्री अर्थात् व काउन्स अधिकारी हे
 असुमार रहे। / वदम पर मनन किया गया एवं
 कावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन
 किया गया। मूल पाठ वदमारा अर्थात् तथा अप्रतिष्ठा
 सिंघपुर खारिदारी की, अमि के वदमारे का है
 तथा सिंघपुर खारिदारी की भूमि पर प्रत्येक हस्से
 पर प्रत्येक खारिदारी का हस्सा निर्दिष्ट होता है जब
 वह विवाह अमि विधिक कालों नहीं किया
 जाया है। विवाह अमि में से रिपोर्ट की
 स्थिति में परिवर्तन होने पर अर्थात् व अप्रतिष्ठा
 का इतिहास प्रमावित ही लगे है। अप्रतिष्ठा न. 19 उदम
 का मूल पाठ व अर्थात् मज में काउन्स
 मज व काउन्स अधिकारी पेचा किया हुआ है। अमि:
 व अर्थात् - पर अर्थात् व काउन्स अधिकारी अप्रतिष्ठा
 न. 15 उदम के लोकार किया जाया है / तथा इययपस
 के लोकार अथवा निषेधाज्ञा से पावन्त किया जाया
 है कि व विवाह अमि तसरा नमर 275 खण्ड
 222 ई.स. 273 खण्ड 0.03 ई.स.,
 274 खण्ड 2.73 ई.स. वकि जाम
 पावन्त वान, परवार एका रचना तदानीक
 वकि लोकार की अमि पर ताहीरामेवत सईणा
 254/202 वदमवादी मदन लुमान बनवारी
 तदु रिपोर्ट की स्थिति वनाये रखे। उदम किनेम
 के पा प्रचलित कराणी व प्रचलित राके पर
 लगे नही होगा। पेचा वली में मल अमर लेका
 मज से मज, कावली वदम है। निगेम काज
 पेच दस्तावेज से जाया गया।

उपखण्ड अधिकारी, सीकर